सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 35 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 7 मार्च, 2022

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

चाहे आप जितने पवित्र शब्द पढ़ लें या बोल लें, वो आपका क्या भला करेंगे जब तक आप उन्हें उपयोग में नहीं लाते?

-भगवान गौतम बुद्ध

जरूरत पड़ी तो सपा का देंगे साथ... 2 | 2017 के मुकाबले 2022 के चुनाव... 3 | हादसों में तीन मजदूरों समेत छह की... 7

बनारस से आजमगढ़ तक मतदाताओं का जोश हाई

दांव पर दिग्गजों की प्रतिष्ठा

» अंतिम चरण के चुनाव में कई मंत्रियों की परीक्षा, वोटरों ने किया भाग्य का फैसला

» कई स्थानों पर ईवीएम में गड़बड़ी के कारण मतदान रहा बाधित मतगणना दस मार्च को

- कुल जिले-9
- विधान सभा सीटें-54
- कुल प्रत्याशी -613
- महिला प्रत्याशी- 75
- कुल मतदाता - 2.06 करोड़
- पुरुष मतदाता- 1.09 करोड़
- महिला मतदाता- 97.08 लाख
- थर्ड जेंडर मतदाता- 1027

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा के सातवें और अंतिम चरण के मतदान में वाराणसी से लेकर आजमगढ़ तक मतदाताओं का जोश हाई दिखा। सुबह से बूथों पर लोगों की लंबी कतारें दिखीं। मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और नौ जिलों के 54 विधान सभा सीटों पर 613 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया। कुछ स्थानों पर ईवीएम में खराबी के कारण कुछ देर के लिए मतदान बाधित रहा। सातवें चरण के मतदान में कई मंत्रियों और पूर्व मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर है। मतगणना दस मार्च को होगी।

कैबिनेट मंत्री नीलकंठ तिवारी की पुलिस से नोक-झोंक

वाराणसी में कैबिनेट मंत्री नीलकंठ तिवारी और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। अपने समर्थकों के साथ बूथ पर जा रहे नीलकंठ तिवारी को पुलिसकर्मी ने रोका था। इससे मंत्री नाराज हो गए और पुलिसवालों से ही उलझ पड़े।

ग्रामीणों ने किया चुनाव का बहिष्कार, चार फर्जी मतदाता गिरफ्तार

मऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के मतदान के बीच मऊ जिले में ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया है। 353 मधुबन विधान सभा के धर्मपुर देवारा स्थित बूथ संख्या 266 पर खबर लिखे जाने तक एक भी वोट नहीं डाले गए। सरयू नदी की कटान के मुद्दे पर ग्रामीणों ने वोट का बहिष्कार किया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में सरयू नदी की कटान के मुद्दे पर कई बार जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों को बताया लेकिन किसी ने सुध नहीं लिया। तो वह अपने मताधिकार का उपयोग क्यों करें। अधिकारी ग्रामीणों को समझाने में जुटे हुए है। वहीं मऊ के अब्दुल तलिफ नोमानी इंटर कॉलेज में बने बूथ से 4 फर्जी मतदाताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। दखिन टोला थाना की पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

दोपहर एक बजे तक का वोटिंग प्रतिशत

आजमगढ़- 34.60 प्रतिशत	चंदौली - 38.45 प्रतिशत	जौनपुर- 35.80 प्रतिशत	मिर्जापुर- 38.05 प्रतिशत
भदोही- 35.60 प्रतिशत	गाजीपुर- 34.15 प्रतिशत	मऊ - 37.08 प्रतिशत	सोनभद्र- 35.68 प्रतिशत
			वाराणसी- 33.55 प्रतिशत
			कुल - 35.51 प्रतिशत

सातवें और अंतिम चरण के चुनावों में भी मतदाताओं का उत्साह बूथों पर दिखा। पीएम नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में कई जगह ईवीएम में खराबी के कारण कुछ देर के लिए मतदान बाधित रहा। सपा ने ईवीएम में आई गड़बड़ी पर निर्वाचन आयोग से शिकायत की। योगी सरकार के सात मंत्रियों अनिल राजभर, रवींद्र जायसवाल, नीलकंठ तिवारी, गिरीश यादव, रमाशंकर सिंह पटेल, संजीव गोंड और संगीता बलवंत की प्रतिष्ठा दांव पर है। वहीं सपा के दुर्गा प्रसाद यादव, दारा सिंह चौहान, पूर्व सांसद रमाकांत यादव के अलावा धनंजय सिंह और मुख्तार अंसारी के पुत्र अब्बास अंसारी भी की ताल ठोक रहे हैं।

लुहान्सक में धमाका, यूक्रेन के चार शहरों में रूस ने किया सीजफायर

» लोगों की सुरक्षित निकासी को रोके हमले, कई अन्य शहरों में युद्ध जारी

» 12 दिन से जारी है रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मास्को। युद्ध के बीच लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए रूस ने एक बार फिर यूक्रेन के चार शहरों में सीजफायर का ऐलान किया है। हालांकि यूक्रेन के अन्य शहरों में रूसी फौजों के हमले जारी है। इसी बीच लुहान्सक में एक शक्तिशाली विस्फोट ने शहर को हिलाकर रख दिया है। इससे एक तेल डिपो में आग लग गई है।

रूस ने राजधानी कीव, मारियुपोल, खारकीव और सुमी में सीजफायर का ऐलान किया है। सुमी में भारतीय छात्र भी फंसे हुए हैं। सभी को तेजी से निकाला जा रहा है। इस बीच युद्ध अब 12वें दिन में पहुंच चुका है। अब तक तकरीबन 15 लाख लोग यूक्रेन से पलायन कर चुके हैं। वहीं खारकीव शहर में आज रूस ने खूब बमबारी की है। इस हमले में 8 लोगों की मौत हो गई है। युद्ध में अब तक 38 बच्चों की भी मौत हो चुकी है। रूस ने यूक्रेन के विनित्सिया एयरपोर्ट पर भीषण हमला किया है। इस एयरपोर्ट पर रूसी मिसाइलों ने कहर बरपा दिया है। एयरपोर्ट पर आग लग गई है और इसे बुझाने की कोशिशें जारी हैं। वहीं यूक्रेन ने दावा किया है कि उसके सैनिकों ने एक रूसी लड़ाकू विमान को मार गिराया है।

पीएम मोदी ने की यूक्रेन के राष्ट्रपति से बात

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का आज 12वां दिन है। युद्ध के 12वें दिन भी रूस के यूक्रेन पर हमले जारी हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात की। दोनों नेताओं के बीच लगभग 35 मिनट तक बातचीत हुई। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन में स्थिति पर चर्चा की। साथ ही प्रधानमंत्री ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी सीधी बातचीत की सराहना भी की। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय नागरिकों को निकालने में यूक्रेन सरकार द्वारा दी गई सहायता के लिए राष्ट्रपति जेलेंस्की को धन्यवाद दिया।

भारतीय छात्रों के साथ भारत लौटे केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी आज बुडापेस्ट में फंसे 6,711 भारतीय छात्रों के अंतिम जत्थे के साथ हंगरी से भारत वापस लौट आए हैं। केंद्रीय मंत्री ने ट्विटर पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बुडापेस्ट से हमारे 6,711 छात्रों के अंतिम बैच के साथ दिल्ली पहुंचकर प्रसन्नता हुई। यूक्रेन से लौटे युवा जब अपने घर पहुंचेंगे और अपने माता-पिता के साथ होंगे तो खुशी, उत्साह और राहत का माहौल होगा।

सपा गठबंधन की जीत से जनता के अधिकारों की होगी रक्षा : अखिलेश

» एकजुट होकर बड़ी तादाद में मतदान करने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विजय हासिल करेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी की अगुआई वाले गठबंधन के प्रत्याशियों की जीत से जनता के अधिकारों, अवसरों और सम्मान की रक्षा की गारंटी होगी। अखिलेश यादव ने किसान-नौजवानों, व्यापारियों और महिलाओं से लोकतंत्र को बचाने की अपील की। उन्होंने डॉ. भीमराव आम्बेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को बचाने के लिए एकजुट होकर बड़ी तादाद में मतदान करने को कहा।

अखिलेश ने कहा कि अब तक के छह चरणों के मतदान में समाजवादी पार्टी और गठबंधन के पक्ष में जनता ने तीन सौ सीटों पर विजय की मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि शुरू से ही जनता ने समाजवादी पार्टी को ही मजबूत और भरोसे लायक विकल्प मान लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राज में जिस तरह समाज के सभी वर्गों को परेशान किया गया, वह भुलाया नहीं जा सकता है। सप प्रमुख ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी ने लोगों की कमर तोड़ दी है, जिससे जनता में भाजपा के प्रति गहरी नाराजगी है। यादव के मुताबिक पांच साल से कराह रही जनता के साथ हुए अन्याय और अपमान की घटनाओं के खिलाफ समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती से डटी रही। उन्होंने कहा हिस्सेदारी और भागीदारी की समस्या का समाधान निकालने के लिए समाजवादी पार्टी ने अनेक जनकल्याणकारी नीतियों को अपने वचन पत्र में शामिल कर सरकार बनने पर अविलंब लागू कराने का भरोसा जनता को दिया है। सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी की बुनियाद में स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्य हैं, संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति हमारी पार्टी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समतामूलक समाज की स्थापना के साथ प्रदेश में समृद्धि और खुशहाली के लिए कार्य करना ही समाजवादी पार्टी की रीति-नीति है।

ताबूत में आखिरी कील छात्र ही ठोकेंगे

सभी पार्टियों के लिए पूर्वांचल में हो रहा ये मतदान बेहद महत्वपूर्ण है। यही वजह है कि सभी की निगाहें इस मतदान पर टिकी हुई है। हालांकि मतदान से एक दिन पहले समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने इलाहाबाद से ट्रेन के जरिए मतदान करने जा रहे युवाओं का एक वीडियो शेयर कर बीजेपी में तंज कसा है। दरअसल आखिरी चरण में 54 विधानसभा सीटों पर आज मतदान हो रहा हैं। इसी वजह से प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर भारी संख्या में छात्रों का हुजूम देखने को मिला। कुछ वीडियो में छात्र अखिलेश यादव के समर्थन में नारेबाजी करते भी दिखाई दे रहे हैं। बताया गया कि छात्र मतदान के लिए अपने घर जा रहे हैं। इसी का वीडियो शेयर करते हुए अखिलेश यादव ने लिखा कि पांच साल नौकरी का अब और न इंतजार होगा, उप्र में भाजपा को हटाने के लिए इंकलाब होगा।

वाराणसी में प्रत्याशियों को भीतरघात और बागियों के तेवर का डर

» आठ सीटों पर हो रहा मतदान, त्रिकोणीय लड़ाई के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनावी रण की आखिरी बेला में वाराणसी की आठ विधानसभा सीटों पर आज मतदान शुरू हो गया है। वाराणसी में कुछ सीटों पर सीधा मुकाबला तो कुछ सीटों पर त्रिकोणीय लड़ाई के आसार बन रहे हैं। हालांकि मैदान में जुटे प्रत्याशियों को भीतरघात और बागियों के तेवर का भी डर सता रहा है।

यही कारण है कि मतदान के दौरान निगरानी प्रबंधन के साथ ही मतदाताओं के मिजाज को अपने पक्ष में बनाने के लिए हर कोई एड़ी-चोटी का जोर लगाने में जुटा रहा। अंतिम चरण में अधिक से अधिक लोग अपने घरों से निकलकर बूथों तक पहुंचें, इसको लेकर प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ लगातार रणनीति बनाने में लगे हुए हैं। वहीं देर रात पार्टियों के चुनाव कार्यालय पर बैठकों का दौर भी चलता रहा, जिसमें पोलिंग एजेंट बनाए जाने सहित अन्य तैयारियों की समीक्षा भी हुई। वाराणसी जिले की आठ विधानसभा सीटों में इस बार भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस, आप सहित अन्य राजनीतिक दलों को मिलाकर 70 से अधिक प्रत्याशी हैं। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों ने रविवार को दिन में घर घर लोगों से जनसंपर्क किया और सोशल मीडिया को भी मुख्य आधार बनाया गया। प्रत्याशियों के समर्थक फेसबुक पर अलग-अलग पोस्ट डालकर लोगों से वोट की अपील करते रहे।

भाजपा को अपनी जीत का भरोसा

वाराणसी की आठों विधानसभा सीटों पर पिछले चुनाव जैसा ही जीत का भरोसा है। भाजपा को मोदी मैजिक और उनके दो दिन के काशी प्रवास से उम्मीद है। इसके अलावा योगी-मोदी चेहरा, मजबूत संगठन और कार्यकर्ताओं के मजबूत नेटवर्क को लेकर भी पार्टी उत्साहित है।

सपा गठबंधन को जोड़ी का सहारा

सपा और सुभासपा गठबंधन को इस बार भाजपा की पिछली बार जैसी लहर नहीं दिख रही है। सत्ता विरोधी लहर और जातीय समीकरणों के साथ मुस्लिम मतों की एकजुटता का भरोसा है। रोजगार और महंगाई जैसे मुद्दों से भी उम्मीद है।

बसपा को सोशल इंजीनियरिंग से उम्मीद

बसपा को अपनी सोशल इंजीनियरिंग से उम्मीद है। वाराणसी की आठों विधानसभा सीट पर मौर्य, ब्राह्मण, पटेल उम्मीदवारों के जरिए जातीय समीकरण साधने में है। वर्ष 2012 में बसपा यहां बेहतर प्रदर्शन कर चुकी है।

उम्मीद लगाए बैठी है कांग्रेस

कांग्रेस ने आठ विधानसभा सीटों में चार पर महिला प्रत्याशी उतारकर अपने लड़की हूं, लड़ सकती हूं अभियान को धार देने की कोशिश की है। इसके अलावा कांग्रेस को अपने दिग्गजों से भी चमत्कार की उम्मीद है। कांग्रेस भी जातीय समीकरण से उम्मीद लगाए बैठी है।

जल रही है बीजेपी की लंका : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आखिरी चरण के मतदान में चुनाव प्रचार की समाप्ति से पहले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने बीजेपी पर जोरदार हमला बोला। राजभर ने अपने को भगवान का बिरादर होने का दावा किया है। राजभर ने सैदपुर की एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह हनुमान जी के बिरादर हैं। जैसे हनुमान ने अशोक वाटिका उजाड़ी थी, वैसे ही उन्होंने बीजेपी की अशोक वाटिका उजाड़ दी और स्वामी प्रसाद मौर्य दारा सिंह चौहान को अपने साथ ले आए। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी की लंका जल रही है। राजभर ने दावा किया कि इस चुनाव में गाजीपुर, बलिया, मऊ में बीजेपी का खाता तक नहीं खुलेगा।

जरूरत पड़ी तो सपा का देंगे साथ : संजय

» सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण की वोटिंग के बीच आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बड़ा बयान दिया है। संजय सिंह ने कहा है कि यूपी में भाजपा को बाहर का रास्ता दिखाने के लिए जरूरत पड़ने पर हम समाजवादी पार्टी के साथ जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में हमारी सरकार बन रही है।

उत्तराखंड और गोवा में भी चुनाव में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। वहीं, यूपी चुनाव में नतीजों के बाद अगर भाजपा को रोकने के लिए सपा के साथ जाने की जरूरत पड़ती है, तो हम उसके लिए तैयार हैं। बता दें कि यूपी चुनाव के छह चरण के मतदान संपन्न हो चुके हैं। अब आखिरी चरण के तहत 7 मार्च को मतदान होने हैं। इससे पहले संजय सिंह का ये बयान सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन सकता है। इसके अलावा संजय सिंह ने कहा कि आप की राजनीति लोगों तक पहुंच रही है। लोग विकास के नाम पर वोट दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने घोषणापत्र के नकल करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमारी यह बड़ी उपलब्धि है कि दूसरे दल हमारे घोषणापत्र को कॉपी कर रहे हैं। चाहे बात 300 यूनिट बिजली फ्री देने की हो, या अन्य घोषणाएं। उन्होंने दावा पंजाब में आप की सरकार बनने का दावा किया। वहीं उत्तराखंड और गोवा में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ खुद को बाबा बुलडोजर कहकर खुश हैं, तो इस स्थिति में रोजगार कहां से आएगा। इससे उत्तर प्रदेश को कोई फायदा नहीं होने वाला। बता दें कि यूपी विधानसभा चुनाव 2022 के 6 फेज की वोटिंग हो चुकी है।

बामुलाहिज़ा

कार्टून : हसन जैदी

भाजपा बहुत मजबूत, अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा विपक्ष : स्वतंत्र देव

» हमारी सरकार में मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक जैसी कुप्रथा से मिली निजात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अंतिम चरण में वोटिंग जारी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह भी रात दिन एक करके सत्ता दोहराने के प्रयास में लगे हैं। उनका कहना है कि चुनाव परिणाम आने के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव दस मार्च को यूपी छोड़कर लंदन चले जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव ने कहा छह चरण के चुनाव में भाजपा तीन सौ के पार हो गई है।

400 सीटों जीतने का दावा करने वाले अखिलेश यादव दस मार्च को दस बजे जैसे ही भाजपा की बढ़त देखेंगे वैसे ही वह सपा कार्यालय में ताला लगाकर यूपी छोड़ देंगे और लंदन प्रवास पर चले जाएंगे, साथ ही अपना फोन भी बंद कर लेंगे। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा सपा मुखिया को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। ऐसा 2014 में बोलते थे, 2017 बोले फिर 2019 में उनकी हवा निकल गयी है। इन लोगों ने सभी प्रकार के गठबंधन करके देख लिया है। 2022 में कहीं यह लोग नजर नहीं आएंगे। भाजपा एक अनुशासित पार्टी है। उन्होंने कहा कि यूपी में बड़ी शांतिपूर्वक चुनाव हो रहा है। नियमों का पालन करते हुए हमारे कार्यकर्ता भाग लेते हैं। हमारी पार्टी में कोई अनुशासनहीनता नहीं करते हैं। किसी के कहने से क्या होता है। हमारे कार्यकर्ता अपने काम पर ध्यान देते है। हमारे कार्यकर्ताओं के पास इतना समय नहीं है कि वह किसी विवाद में पड़े। भाजपा विकास की बात करती है। लेकिन सपा के शासन में पलायन हुआ है तो जनता को बताना पड़ेगा। यह लोग आंतकियों की वकालत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक जैसी कुप्रथा से निजात मिली है। उन्हें आवास मिला हैं। उन्हें मोदी पर यकीन है। हर योजना का लाभ मिला है।

2017 के मुकाबले 2022 के चुनाव में बढ़े दागदार प्रत्याशी

एडीआर की तुलनात्मक रिपोर्ट में हुआ खुलासा

» महिलाओं के साथ धनी उम्मीदवारों में भी इजाफा

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अंतिम चरण के मतदान नजदीक आते ही 2017 के मुकाबले 2022 के विधानसभा चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों की विस्तृत तुलनात्मक रिपोर्ट भी सामने आ गई है। 2017 के मुकाबले में 2022 में चुनाव के मैदान में उतरे प्रत्याशी हर मामले में आगे हैं। उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) ने इस रिपोर्ट को जारी किया है, जिसमें 2017 विधानसभा चुनाव की अपेक्षा 2022 में दागी प्रत्याशियों में हुई बढ़ोत्तरी होने के साथ धनकुबेर प्रत्याशियों में नौ प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है।

2017 के अपेक्षा 2022 में महिलाओं उम्मीदवारों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो गई है। 2022 में पहले से सातवें चरण तक चुनाव लड़ने वाले 4442 में से 4406 उम्मीदवारों के शपथपत्रों का विश्लेषण किया है। इन 4406 उम्मीदवारों में से 1209 राष्ट्रीय दलों से , 921 राज्य दलों से, 1266 गैर मान्यता प्राप्त दलों से और 1010 निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे है। वही 36 उम्मीदवारों का शपथपत्र स्पष्ट ना होने के कारण उनका विश्लेषण नहीं किया जा सका। यूपी चुनाव 2022 में उतरे 4406 में से 1142 प्रत्याशी (26 प्रतिशत) ने अपने आपराधिक मामले घोषित किये हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2017 में 4823 में से 859 (18 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये थे। इस बार 889(20 प्रतिशत) ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। विधानसभा चुनाव 2017 में 704 (15 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए थे। घोषित आपराधिक मामले दलवार इस प्रकार है समाजवादी पार्टी के 347 में से 224 (65 प्रतिशत), सुहेलदेव भारतीये समाज पार्टी के 19 में से 11 (58 प्रतिशत), राष्ट्रीय लोकदल के 33 में से 19 (58 प्रतिशत), भाजपा के 374 में से 169 (45 प्रतिशत), काग्रेस के 397 में से 160 (40 प्रतिशत), बसपा के 399 में से 153 (38 प्रतिशत), अपना दल (सोने लाल) के 17 में से 6 (35 प्रतिशत) और आम आदमी पार्टी 345 में से 62 (18 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषत किए। गंभीर आपराधिक मामले में भी सपा के 347 में से 163 (47 प्रतिशत), सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के 19 में से 11 (58 प्रतिशत), आरएलडी के 33 में से 17 (52 प्रतिशत),भाजपा के 374 में से 131 (35 प्रतिशत), कांग्रेस के 397 में से 108 (27 प्रतिशत), बसपा के 399 में से 199 (30 प्रतिशत), अपना दल (सोने लाल) के 17 में से 4 (24 प्रतिशत) और आम आदमी पार्टी के 345 में से 50 (15 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की है। 69 उम्मीदवारों ने महिलाओं के ऊपर अत्याचार से संबंधित मामले घोषित किए हैं। इन 69 में से दस ने अपने ऊपर दुष्कर्म (आईपीसी-376) से संबंधित मामला घोषित किया है। 37 ने हत्या (आईपीसी-302), 159 उम्मीदवारों ने हत्या का प्रयास (आईपीसी-307) से सम्बन्धित मामले घोषित किए हैं।

39 प्रतिशत करोड़पति उम्मीदवार

2022 में करोड़पति उम्मीदवारों कि बात करे तो 4406 में से 1733 (39 प्रतिशत) करोड़पति उम्मीदवार है। विधानसभा चुनाव 2017 में 4823 में से 1457 (30 प्रतिशत) उम्मीदवार करोड़पति थे। करोड़पति उम्मीदवार दलवार की बात करे तो आरएलडी के 33 में से 31 (94 प्रतिशत), भाजपा के 374 में से 335 (90 प्रतिशत), समाजवादी पार्टी के 347 में से 302 (87 प्रतिशत), बसपा के 399 में से 315 (79 प्रतिशत), अपना दल (सोनेलाल) के 17 में से 12 (71 प्रतिशत), सुहेलदेव भारतीये समाज पार्टी के 19 में से 13 (68 प्रतिशत) कांग्रेस के 397 में से 198 (50 प्रतिशत) और आम आदमी पार्टी के 345 में से 112 (33 प्रतिशत) प्रत्याशी करोड़पति हैं। इन सभी की घोषित संपत्ति एक करोड़ रुपया से अधिक की है। सर्वाधिक संपत्ति घोषित करने वाले शीर्ष तीन में पहले स्थान में रामपुर से कांग्रेस के उम्मीदवार नवाब काजिम अली खां है, जिन्होंने अपनी संपत्ति 296 करोड़ बताई है। दूसरे स्थान पर आजमगढ़ के मुबारकपुर से एआईएमआईएम के शाह आलम (गुड्डू जमाली) हैं। जिनकी संपत्ति 195 करोड़ है। तीसरे स्थान पर बरेली के बरेली कैंट विधानसभा से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी सुप्रिया ऐरन हैं, इनकी संपत्ति 157 करोड़ की है।

सबसे आगे है भाजपा के नेता

संस्था के अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2017 से वर्ष 2022 के दौरान इन विधायकों/विधान परिषद सदस्यों की औसत संपत्ति में 3.18 (56 प्रतिशत) करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। संख्या बल के अनुरूप दलवार विश्लेषण में सामने आया है कि सबसे आगे भाजपा के नेता हैं। 301 में से भाजपा के 223 विधायकों/विधान परिषद सदस्यों ने विधानसभा चुनाव 2022 में अपनी संपत्ति में औसतन तीन करोड़ रुपये की वृद्धि दिखाई है। दूसरे नंबर पर सपा के 55 विधायकों/विधान परिषद सदस्यों ने वर्ष 2022 के चुनाव में औसतन दो करोड़ रुपये की वृद्धि दर्शायी है तथा तीसरे नंबर पर बसपा के आठ विधायक/विधान परिषद सदस्यों ने वर्ष 2022 में औसतन चार करोड़ की वृद्धि दर्शायी है।

31 ने अपनी शैक्षिक योग्यता घोषित नहीं की

उत्तर प्रदेश चुनाव 2022 के पहले से सातवें चरण में उम्मीदवारों की औसतन संपत्ति 2.87 करोड़ रुपए है। 1810 (41प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपनी देनदारी घोषित की है जबकी 233 (5 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपना पैन विवरण घोषित नहीं किया है। विधानसभा चुनाव 2022 के पहले से सातवें चरण में 1551 (35 प्रतिशत) ने अपनी शैक्षिक योग्यता पांचवीं और 12वीं के बीच घोषित की है। 2477 (56 प्रतिशत) ने शैक्षिक योग्यता स्नातक और इससे ज्यादा घोषित की हैं। 39 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता डिप्लोमा धारक घोषित की हैं। वहीं 254 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता साक्षर और 54 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता निरक्षर घोषित की है। 31 ने अपनी शैक्षिक योग्यता घोषित नहीं की है।

चार उम्मीदवार 80 साल से अधिक

इस बार के चुनाव में 1582(36 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 25 से 40 वर्ष के बीच घोषित की है। 2285 (52 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 41 से 60 वर्ष के बीच घोषित की है। 535 (12 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 61 से 80 वर्ष के बीच घोषित की हैं। इनमें चार उम्मीदवारों ने अपनी आयु 80 वर्ष से अधिक घोषित की हैं। विधानसभा चुनाव 2022 में 560 (13 प्रशित) महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ रही हैं। विधानसभा चुनाव 2017 में 4823 में से 445 (9 प्रतिशत) महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ रही थीं।

56 प्रतिशत संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्र

विधानसभा चुनाव 2022 में 403 में से 226 (56 प्रतिशत) संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्र है, जहां तीन या उससे अधिक उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2017 में 152 (38प्रतिशत) संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्र थे जहां तीन या उससे अधिक उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए थे।

दोबारा चुनाव लड़ रहे 301 में से 284 की संपत्ति बढ़ी

चुनाव में 301 विधायक और विधान परिषद सदस्य फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। इन सभी के हलफनामों का एडीआर ने विश्लेषण किया है। इनमें से 284 यानी 94 फीसदी की संपत्ति में इजाफा हुआ है। वहीं महज 17 ऐसे हैं जिनकी संपत्ति कम हुई है। जिन 284 विधायकों की संपत्ति में इजाफा हुआ है उनमें शून्य से 22,057 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। जो विधायक और विधान परिषद सदस्य फिर से चुनाव मैदान में है 2017 में उनकी औसत संपत्ति 5.68 करोड़ रुपये थी। जो अब बढ़कर 8.87 करोड़ रुपये हो गई है। यानी बीते पांच साल में इन विधायकों की औसत संपत्ति में 3.18 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। रायबरेली सीट से कांग्रेस के टिकट पर जीतने वाली अदिति सिंह इस बार भाजपा उम्मीदवार हैं। बीते पांच साल में उनकी संपत्ति में 22,057 फीसदी का इजाफा हुआ है। 2017 में उनकी कुल संपत्ति 13.98 लाख रुपये थे। जो अब बढ़कर 30.98 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं दिबियापुर से भाजपा विधायक और उम्मीदार लाखन सिंह राजपूत हैं। 2017 में उनकी कुल संपत्ति 1.42 करोड़ रुपये थी। 2022 में राजपूत की संपत्ति घटकर 91.76 लाख रुपये रह गई है। उनकी कुल संपत्ति में 36 फीसदी की कमी आई है।

यूपी चुनाव : सातों चरण में छाया रहा बेसहारा पशुओं का मुद्दा

» निराश्रित पशुओं का मुद्दा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी दलों के निशाने पर रहा

» गोबर से धन कमाने का रास्ता ढूंढने में जुटे अफसर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के छह चरणों का मतदान हो चुका है और सातवें चरण का मतदान आज हो रहा है। दोपहर एक बजे तक 30 फीसदी से ज्यादा मतदान हो चुका है। इस चुनाव की खास बात यह रही कि निराश्रित पशुओं का मुद्दा चुनाव प्रचार के दौरान हर चरणों में विपक्षी दलों के निशाने पर रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी रैली में कहा था कि दस मार्च को सरकार बनने के बाद सबसे पहले निराश्रित पशुओं के मुद्दे को खत्म किया जाएगा। चुनाव में निराश्रित पशुओं को बड़ा मुद्दा मानते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने समस्या का प्रभावी निस्तारण कराने का वादा किया है। वहीं इसके बाद से अफसर गोबर को धन बनाने के लिए मंथन कर रहे हैं।

पशुओं ने चुनाव में सत्ता पक्ष के वोट चरे हैं या विपक्षी दलों को खाद पानी मुहैया कराया है, इसका निर्णय दस मार्च को होगा। प्रदेश में 2017 में भाजपा सरकार बनी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पशुओं खासकर गायों की रक्षा करने के साथ उनको कटने से बचाने के वादे पर अमल करते हुए सूबे के सभी अवैध बूचड़खाने बंद करा दिए। वहीं आश्रय स्थल खुलने से लोगों ने यह माना कि पशुओं का पालन-पोषण अब सरकार करेगी, इसलिए निराश्रितों की तादाद तेजी से बढ़ी। अफसरों व आश्रय स्थलों पर तैनात कर्मियों की सुस्ती से ये समस्या विकराल हो गई। प्रधानमंत्री मोदी ने बरेली, उन्नाव व बहराइच की चुनावी रैलियों में कहा कि हम यूपी के किसानों को छुट्टा जानवरों के कारण हो रही समस्याओं को गंभीरता से ले रहे हैं। इसके लिए हमने रास्ते खोज लिए हैं। 10 मार्च को नई सरकार बनने के बाद हम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उन सभी नई योजनाओं को लागू करेंगे, ताकि जिन पशुओं ने दूध देना बंद कर दिया है, आप उनके गोबर से आय अर्जित कर सकेंगे। एक दिन ऐसा आएगा कि जब लोगों को लगेगा, घर में छुट्टा जानवरों को बांध लो, इससे भी कमाई होने वाली है।

गोबर खरीदने के लिए भी तय होंगे दाम

वाराणसी व मथुरा आदि स्थानों पर बायो गैस प्लांट लग रहे हैं। इसके अलावा शाहजहांपुर, प्रयागराज आदि भी प्लांट लगाने की तैयारी है। इसके लिए बड़ी मात्रा में गोबर की जरूरत होगी, क्योंकि बिना गोबर खरीदे इनका संचालन संभव नहीं है। गोबर का दाम जल्द तय होगा।

जरूरत पर बनेंगे अस्थायी आश्रय स्थल

प्रदेश में छह हजार से अधिक आश्रय स्थल बने हैं, उनमें नौ लाख के आसपास पशुओं हैं। करीब तीन लाख पशु घूम रहे हैं। जहां पर पशु घूमते मिलेंगे, वहीं आसपास अस्थायी आश्रय स्थल बनाकर पशुओं को रखा जाए।

विपक्ष ने जमकर कसे तंज

विधान सभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में गोबर खरीदने का वादा जरूर किया, लेकिन सरकार पर पशुओं की अनदेखी का ठीकरा फोड़ने का मौका नहीं गंवाया। वहीं सपा इसे मुख्य मुद्दा बनाए है, सरकार को घेरने के लिए यही कहा जा रहा कि किसान परेशान हैं। हालांकि कोई दल इस समस्या के हल के लिए यह नहीं कह रहा कि उनकी पार्टी की सरकार आने पर अवैध बूचड़खाने फिर से चालू कराएंगे।

अमल में जुटे अफसर और अधिकारी, कर रहे मंथन

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र पशुपालन विभाग व अन्य अधिकारियों के साथ बैठकें कर चुके हैं। निर्देश दिया गया है कि ऐसा प्रबंध करें कि निराश्रित पशु और किसान किसी को परेशानी न हो। अगले सप्ताह निर्णय होने की तैयारी है।

जिद... सच की

शांति चाहते हैं तो युद्ध रोकना होगा

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

"दूसरा हफ्ता चलने के बावजूद युद्ध के खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे, जिसके परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों के नागरिकों और सैनिकों को भारी नुकसान हो रहा है। हालांकि शहरों पर कब्जा करने और यूक्रेन को वार्ता के लिए बाध्य करने के लिए तोप और मिसाइल हमले बढ़ गए हैं, जिससे हताहत नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। सवाल उठ रहा है कि युद्ध खत्म करने को लेकर पुतिन के मन में क्या है और क्या यूक्रेन एवं पश्चिमी देश रूस की शर्त मानने के लिए तैयार होंगे।

दूसरा सप्ताह शुरू हो गया है और रूसी सेना लगातार यूक्रेन की राजधानी कीव सहित अन्य शहरों पर कब्जा जमाने की कोशिश में लगी हुई है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने आधिकारिक तौर पर इसे युद्ध नहीं कहा है, बल्कि अपने आक्रमण को यूक्रेन का अ-सैन्यीकरण और अ-नाजीकरण बताया है। उन्होंने यूक्रेन के नेतृत्व पर नव-नाजी और ड्रग एडिक्ट होने का आरोप लगाते हुए वहां की सेना से अपील की है कि अगर वे शांति चाहते हैं, तो अपने देश के मौजूदा शासन को उखाड़ फेंके। वास्तव में उनकी चिंता यूक्रेन के पश्चिम झुकाव को लेकर है। पश्चिम जानता है कि वह आधिकारिक रूप से युद्ध में शामिल नहीं है, लेकिन युद्ध नाटो की विस्तार नीतियों पर ही हो रहा है, जिसमें यूक्रेन बलि का बकरा है। दूसरा हफ्ता चलने के बावजूद युद्ध के खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे, जिसके परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों के नागरिकों और सैनिकों को भारी नुकसान हो रहा है। हालांकि शहरों पर कब्जा करने और यूक्रेन को वार्ता के लिए बाध्य करने के लिए तोप और मिसाइल हमले बढ़ गए हैं, जिससे हताहत नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। अपने देश को बचाने के लिए यूक्रेन के लोग अपनी सेना के साथ युद्ध लड़ रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि युद्ध खत्म करने को लेकर पुतिन के मन में क्या है और क्या यूक्रेन एवं पश्चिमी देश रूस की शर्त मानने के लिए तैयार होंगे।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि वह रूसियों के प्राथमिक निशाने पर हैं। रूस उनकी सरकार को उखाड़कर वहां पूर्व राष्ट्रपति विक्टर यानकोविच के नेतृत्व में रूस-समर्थक सरकार लाना चाह रहा है, जो फिलहाल रूस में निर्वासन में हैं। वहीं पुतिन ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि यूक्रेन पर कब्जा करने का उनका कोई इरादा नहीं है, बल्कि वह वहां शासन में बदलाव चाहते हैं, जो रूस के प्रति उत्तरदायी हो। पुतिन ने बार-बार नाटो के पूर्व की ओर विस्तार का विरोध किया था और उन्होंने उससे 1997 से पहले की स्थिति में लौटने की मांग की थी। यूक्रेन के लिए पुतिन की शर्तें ये थीं कि वह किसी भी रूस विरोधी खेमे में शामिल न होकर तटस्थता की घोषणा करे और क्रीमिया और उसके अलग गणराज्यों के रूसी अधिग्रहण को भी मान्यता दे। इसके अलावा वह अपने सैनिक न रखे और सुरक्षा के लिए रूस पर निर्भर रहे। इसका मतलब यह होगा कि यूक्रेन रूस के लिए सैन्य खतरा नहीं होगा और उसे व्यापक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ) में शामिल किया जाएगा, जो पूर्व सोवियत संघ देशों के लिए बनाया गया था और रूस द्वारा नियंत्रित होता था। मानवता के लिहाज से युद्ध गलत है, लेकिन रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा नजरिये से देखें, तो यह जायज है। चूंकि अमेरिका और नाटो रूसी चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार नहीं हैं, इसलिए यूक्रेन पीड़ा भोगने के लिए बाध्य है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मेडिकल कॉलेजों की बढ़े संख्या

डॉ रोहन कृष्ण

यूक्रेन संकट में वहां पढ़ रहे भारतीय छात्रों के सामने जो परेशानी आयी है, उससे हमारा ध्यान चिकित्सा शिक्षा की चुनौतियों की ओर गया है। हमारे छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए यूक्रेन, चीन, रूस, फिलीपींस, किर्गिस्तान, जॉर्जिया, बांग्लादेश, कजाखस्तान, पोलैंड, आर्मेनिया जैसे देशों में जाना पड़ता है। इन देशों में एक लाख से अधिक भारतीय छात्र मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। उनके इन देशों की ओर रुख करने की सबसे बड़ी वजह यह है कि हमारे यहां सरकारी संस्थानों में बहुत कम सीटें उपलब्ध हैं। जब इन संस्थानों में जगह नहीं मिलती, तो छात्रों के पास निजी शिक्षण संस्थानों का विकल्प होता है। इन संस्थानों को सरकार की ओर से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिलती है। नेशनल मेडिकल कमीशन के आने के बाद निजी संस्थानों में कैपिटेशन फीस की प्रणाली तो समाप्त हो गयी, लेकिन एक मेडिकल कॉलेज को चलाने में बड़ी मात्रा में धन खर्च होता है।

इस धन को संस्थान छात्रों से ही शुल्क के रूप में लेते हैं क्योंकि उन्हें सरकारी सहायता नहीं मिलती है। विदेशों में सरकार निजी संस्थानों को भी मदद देती है, ताकि फीस अधिक न हो सके। इस कारण विभिन्न देशों में भारतीय छात्र पढ़ने जाते हैं। दुनियाभर में 152 देशों में मेडिकल शिक्षा उपलब्ध है, तो आखिर हमारे अधिकतर छात्र यूक्रेन, चीन, रूस, फिलीपींस, किर्गिस्तान, जॉर्जिया, बांग्लादेश, कजाखस्तान, पोलैंड, आर्मेनिया जैसे देशों में ही क्यों जाते हैं। करियर काउंसलरों का एक आपराधिक गठजोड़ बन चुका है। अमूमन छोटे शहरों से आनेवाले छात्रों को ये लोग सपना दिखाते हैं कि हम आपको दुनिया दिखायेंगे। एमबीबीएस की डिग्री दिलायेंगे और इस पर खर्च भी कम होगा। यह भी कहा जाता है कि इन देशों में पढ़ाई अच्छी है और तमाम सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उनका दावा होता है कि इस कारण आप देश वापस आकर आसानी से विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट एक्जाम पास कर लेंगे। इसके साथ भारत में निजी मेडिकल कॉलेजों में अधिक फीस का हवाला भी होता है।

हमारे देश में निजी मेडिकल कॉलेज खोलने और चलाने को लेकर नियम-कानून हैं। नियंत्रण, निगरानी और निरीक्षण की व्यवस्था है ताकि समुचित गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। निजी कॉलेजों पर नेशनल मेडिकल कमीशन की निगाह लगातार बनी रहती है। अच्छी गुणवत्ता के कारण भारत में पढ़े डॉक्टरों की विदेशों में मांग है। मेरे कई मित्र अमेरिका और यूरोपीय देशों में अच्छा काम कर रहे हैं। जिन देशों में हमारे

अधिकतर छात्र जाते हैं, वहां ऐसी गुणवत्ता नहीं है। वहां के कॉलेजों में न तो ढंग के उपकरण हैं, न ही शिक्षक और न ही अस्पताल हैं। वहां के संस्थानों पर भारत सरकार का कोई नियंत्रण भी नहीं है। जो लोग छात्रों का एडमिशन कराते हैं, उन्हें वहां बैठे एजेंटों के माध्यम से उन कॉलेजों से प्रति छात्र कुछ लाख रुपये भी मिलते हैं। इन करियर काउंसलरों के संबंध कोचिंग संस्थानों से भी होते हैं, जहां इन्हें छात्रों की पृष्ठभूमि की जानकारी मिल जाती है और उस आधार पर वे उनसे संपर्क करते हैं। इस प्रकार यह करोड़ों रुपये सालाना का अलग ही कारोबार बन गया है। जो छात्र एक बार चले जाते हैं, उनके पास पाठ्यक्रम पूरा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता, क्योंकि वे लाखों रुपये दे चुके होते हैं। जहां तक भारत में निजी संस्थानों में बहुत अधिक फीस का मसला है, इसका ठोस उपाय यही है कि हम सीट बढ़ायें और नये संस्थान खोलें। जिस चीज की मांग बहुत अधिक हो, पर आपूर्ति नहीं हो सके, उसका महंगा होना स्वाभाविक है। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि फीस को लेकर नियमन करे, पर यह भी देखना होगा कि संस्थान अपना खर्च निकाल सकें। एक मेडिकल कॉलेज औसतन छह-सात करोड़ रुपये डॉक्टरों के वेतन पर खर्च करता है। अगर निजी कॉलेजों को वित्तीय या अन्य प्रकार की सहायता नहीं मिलेगी, तो फीस कम कर पाना संभव नहीं होगा।

हमें समझना होगा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए व्यापक संसाधनों की आवश्यकता होती है। एक विकल्प यह हो सकता है कि सरकारी संस्थानों में सीटें बढ़ायी जायें और मेडिकल कॉलेज बनाये जायें। अगर किसी छात्र के सामने सरकारी और निजी कॉलेज का विकल्प हो, तो वह हमेशा सरकारी संस्थान को चुनेगा, लेकिन सीटें उपलब्ध नहीं होने पर उसके पास कोई चारा नहीं होता। भारत में मेडिकल की पढ़ाई बहुत कठिन है और कई तरह की परीक्षाओं और प्रयोगों से छात्रों को गुजरना होता है। अगर हमारे यहां फीस कुछ कम भी हो जाती है, तब भी बाहर जाने का सिलसिला नहीं रुकेगा क्योंकि वे संस्थान भी उसी हिसाब से कुछ कमी कर देंगे। विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट एग्जाम का परिणाम आज तक दस प्रतिशत से ऊपर नहीं गया है। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि उन देशों में पढ़ाई का स्तर क्या है। मैं अपने अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि उन देशों में स्तरहीन प्रशिक्षण दिया जाता है। हमें अधिक से अधिक डॉक्टरों की जरूरत है।

उनके जीने के अधिकार का हो सम्मान

चेतनादित्य आलोक

वैसे तो पशुओं से मनुष्य जाति का नाता आरंभ से ही रहा है, लेकिन हमारी सभ्यता में पशुओं का सदा से विशेष स्थान रहा है। इसका प्रमुख कारण यह है कि हमारे पूर्वजों ने पशुओं को मित्र एवं सहचर मान-समझकर उन्हें अपने जीवन में स्थान प्रदान किया था। हमारी परंपरा में एक ओर गाय को माता मानकर उसकी पूजा-अर्चना करने का विधान है तो दूसरी ओर हमारे त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश के अतिरिक्त गणेश, दुर्गा, इंद्र एवं यमराज समेत विभिन्न देवी-देवताओं द्वारा पशुओं को अपने वाहन बनाकर उन्हें प्यार और सम्मान देने के प्रमाण भी मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि हमारी संस्कृति ने केवल पालतू पशुओं से ही नहीं, बल्कि हिंस्र एवं विषैले जानवरों समेत तमाम जीव-जगत से प्रेम और करुणापूर्ण व्यवहार करने की शिक्षाएं दी हैं।

यही कारण है कि पंचतंत्र समेत हमारे तमाम प्राचीन ग्रंथों एवं धार्मिक आख्यानों में पशुओं और मनुष्यों के सहजीवन एवं उनकी मित्रता की कहानियां भरी पड़ी हैं। हमारे आधुनिक हिन्दी साहित्य में भी मनुष्य के साथ पशुओं की मित्रता एवं उनके बीच के सहजीवन के महत्व को बखूबी दर्शाया गया है। प्रेमचंद की 'दो बैलों की कथा' शीर्षक कहानी एवं बांग्ला के महान लेखक शरतचंद्र की प्रसिद्ध कहानी 'महेश' को कैसे भुलाया जा सकता है? बहरहाल, विश्वभर में हो रही बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि एवं विकास के नाम पर वनों के विनाश तथा वन्यजीवों के विरुद्ध बढ़ते अत्याचारों के कारण संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाये जाने की घोषणा 20 दिसंबर, 2013 को की, जिसके बाद प्रत्येक वर्ष 3 मार्च को इसका आयोजन किया जाने लगा। बहरहाल, भारत सरकार की ओर से संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में दिसंबर, 2018 में प्रस्तुत छठी राष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस समय वन्य जीवों की 900 से भी अधिक दुर्लभ प्रजातियां लुप्तप्राय एवं संकटग्रस्त श्रेणियों में शामिल हैं। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' नामक पुस्तक में संकटग्रस्त एवं लुप्तप्राय वन्य जीवों की 1180 प्रजातियों का वर्णन चिंतित करने वाला है। वैसे एशियाई शेरों, दक्षिण अंडमान के माउंट हैरियट में पाये जाने वाले विशेष छछूंदरों, दलदली क्षेत्रों में पाये जाने वाले बारहसिंगा हिरण एवं मालाबर गंधबिलाव की स्थिति भी दयनीय है। मालाबर गंधबिलाव अब महज कुछ सैकड़ों की संख्या में मौजूद हैं। वहीं एशियाई शेर गुजरात के गिर वनों तक सिमट चुके हैं, जबकि बारहसिंगा हिरण अब देश के कुछ वनों में ही पाये जाते हैं।

ऐसे ही कश्मीर में पाये जाने वाले हांगलुओं की संख्या भी अब कुछ सैकड़ों में ही सिमट चुकी है। इसी प्रकार देश में पायी जाने वाले विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों के अस्तित्व पर भी खतरा मंडराने लगा है। 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' की बात मानें तो भारत में पायी जाने वाली फूलों की 15 हजार प्रजातियों में से डेढ़ हजार प्रजातियां आज लुप्तप्राय हो चुकी हैं, जबकि पौधों की लगभग 45 हजार प्रजातियों में से 1336 प्रजातियां भी अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं।

इनके अतिरिक्त वन्य जीवों पर मंडरा रहे खतरों के संदर्भ में यदि बाघों की बात की जाये तो आंक?ों के अनुसार बाघों की संख्या में हालांकि वृद्धि तो हुई है, लेकिन उनकी हत्याओं का दौर अभी समाप्त नहीं हुआ है और न ही उनके आश्रय-स्थलों में बढ़ती मानवीय घुसपैठ पर रोक लग पायी है। यही कारण है कि बाघ अब नये-नये गलियारे स्वयं ही ढूंढ़ने लगे हैं। उत्तराखंड वन विभाग के अनुसार तो हैडाखाल के अतिरिक्त यहां पिथौरागढ़ के अस्कोट एवं केदारनाथ में भी बाघों की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। वन्य जीव विशेषज्ञों के अनुसार अब पहाड़ों पर स्थित जंगलों में पलायन करने वाले बाघ अपने नये आश्रय बनाने लगे हैं। हालांकि, सरकार की मानें तो इस वर्ष देश में पांच नये टाइगर रिजर्वों का निर्माण किये जाने की योजना है। फिलहाल छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास नेशनल पार्क, राजस्थान के रामगढ़ विषधारी अभयारण्य, बिहार के कैमूर वन्यजीव अभयारण्य, अरुणाचल के दिव्यांग वन्यजीव अभयारण्य एवं कर्नाटक के एमएम हिल अभयारण्य को टाइगर रिजर्व के रूप में विकसित करने की सरकार ने स्वीकृति दे दी है। वैसे भारत में वन्य जीव-संरक्षण हेतु समय-समय पर कानून भी बनाये जाते रहे हैं। वर्ष 1956 में संशोधित एवं पारित 'भारतीय वन अधिनियम' मूलत: स्वतंत्रता से पूर्व 1927 में ही अस्तित्व में आ गया था। स्वतंत्रता के बाद पहली बार 1983 में 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' बनाकर नेशनल पार्कों एवं अभयारण्यों का निर्माण शुरू किया गया। वैसे इससे पूर्व भी कस्तूरी मृग परियोजना-1970, गिर सिंह परियोजना-1972, बाघ परियोजना -1973, कछुआ संरक्षण परियोजना-1975 जैसी कई परियोजनाओं के माध्यम से वन्य जीवों एवं वनों की सुरक्षा की पहल की गयी थी।

इनके अतिरिक्त, 1987 में गैंडा परियोजना, 1992 में हाथी परियोजना, 2006 में गिद्ध संरक्षण परियोजना एवं 2009 में हिम तेंदुआ परियोजना के माध्यम से भी हमारी सरकारों ने देश में वन्य जीवों एवं वनों की सुरक्षा-संरक्षा करने का कार्य किया है। हालांकि, इस दिशा में किये गये सारे प्रयास कम ही महसूस होते हैं। कदाचित इसका प्रमुख कारण वन्य जीवों एवं वनों के प्रति हमारे भीतर करुणा एवं प्रेम का अभाव है। इसलिए अब आवश्यक हो गया है कि हम अपने पूर्वजों की शिक्षाओं को पुन: स्वीकार करते हुए हिंस्र एवं विषैले जानवरों समेत तमाम जीव-जगत से प्रेम एवं करुणापूर्ण व्यवहार करें, ताकि सबको जीने का अधिकार मिल सके।

पानी पूरी कई लोगों का फेवरेट स्नैक है। इसकी पूरी काफी हल्की होती है और आटे से बनाई जाती है। पानी पूरी में भी बहुत कम मसाला होता है इसलिए इसे खाने में कोई हर्ज नहीं है।

चटपटा ही नहीं पोषक तत्वों का भंडार है

पानी-पूरी

इंडियन स्नैक के रूप में मशहूर और लोगों का पसंदीदा पानी पूरी आपके स्वास्थ्य के लिए भी जादुई है। क्योंकि यह आपको सबसे सरल तरीके से आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। यह तत्व आपके रक्त को ऑक्सीजन युक्त रखने में आपकी सहायता करता है। इसलिए यह आपके शरीर के लिए बहुत आवश्यक है। साथ ही गोलगप्पे से आपको मैग्नीशियम, फास्फोरस, मैंगनीज, पोटेशियम, फोलेट, जिंक और विटामिन ए, बी-6, बी-12, सी और डी मिलता है।

पुदीना पानी वजन कम करने में करता है मदद

जैसा कि हम जानते हैं कि साधारण सा पुदीना पानी वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है। इसके अलावा पुदीना पानी आपके स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा माना जाता है। पुदीना इरिटेबल बाउल सिंड्रोम को ठीक करने, अपच की समस्या को दूर करने और इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद करता है। पुदीना में फाइबर, विटामिन ए, आयरन, मैंग्नीज और फोलेट होता है, जो इंसानी शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है।

जीरा है पोषक तत्वों का सोर्स

वहीं जीरा भी पोषक तत्वों का अच्छा सोर्स माना जाता है और एक गिलास पानी में भीगा हुआ जीरा आपको पेट से जुड़ी परेशानियों में आराम दिलाने का काम करता है।

जलजीरा करता है एसिडिटी को कम

जलजीरे के पानी में कई अन्य तत्व हो सकते हैं जो एसिडिटी पर काम कर सकते हैं और इससे छुटकारा पाने में आपकी मदद कर सकते हैं। इन तत्वों में पुदीना, कच्चा आम, काला नमक, काली मिर्च, कसा हुआ जीरा और साधारण नमक शामिल हैं।

मधुमेह रोगी भी खा सकते हैं

गोलगप्पे एक कम कैलोरी वाला भोजन है जिसमें मीठी चटनी डालना एक विकल्प है। एक मधुमेह रोगी बिना किसी चिंता के इस नाश्ते का पूरी तरह से आनंद ले सकता है।

मुंह में छाले को करता है गायब

आपने अक्सर देखा होगा कि अगर किसी व्यक्ति के मुंह में छाले हो जाते हैं तो वह गोलगप्पे खाने पसंद करता है। क्योंकि इससे मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं। दरअसल, गोलगप्पे के साथ मिलने वाले जलजीरा में तीखापन और पुदीना या खट्टापन से छाले को दूर करने में सहायक होता है। हालांकि, यह अधिक मात्रा में नहीं खानी चाहिए।

इन बातों का रखें ख्याल

- गोलगप्पे का पानी घर में ही बनाना चाहिए।
- लाल चटनी की बजाए दही का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- गोलगप्पे में आलू की बजाय आप उबले हुए चने का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।
- सूजी के बजाय आटे के गोलगप्पे खाने चाहिए।

हंसना मना है

पत्नी: आप मुझे बार-बार सॉरी मत बोला करो! पति: क्यों? पत्नी: क्योंकि मेरा लड़ने का सारा मूड़ ही खराब हो जाता है।

एक शराबी आंखें दान करने गया। काउंटर क्लर्क ने पूछा कुछ कहना चाहते हो? शराबी : हाँ, जिसे भी लगाओ, उसे बता देना 2 घूंट लेने के बाद ही खुलती है।

बाबाजी ने दिया परम सत्य ज्ञान... जिंदगी की भागदौड़ में सेहत का भी ख्याल रखिए ऐसा ना हो कि आप पीछे रह जाएं और पेट आगे निकल जाए।

पतिदेव: बाबाजी, सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मंत्र बताइए। बाबाजी: बेटा जब तक मुंह बंद और पर्स खुला रहेगा, कृपा आती रहेगी।

महिला: हेलो सर, मैं आपसे मिलकर कुछ बात करना चाहती हूं। आप मेरे एक बच्चे के पिता हैं। आदमी हैरान होकर बोला: क्या! तुम प्रिया हो? महिला: नहीं। आदमी: फिर श्वेता? महिला: नहीं। आदमी: तो सिमरन हो? महिला: नहीं सर, नहीं! मैं आपके बेटे की क्लास टीचर हूं।

कल एक शादीशुदा को उसका रिश्तेदार शादी का कार्ड देने आया तो उसने सहज स्वभाव पूछ लिया घटनास्थल कहां है?

कहानी — एक थी सरुमा

असम के ग्वालपाड़ा जिले में एक नदी के किनारे लक्ष्मीनंदन साहूकार रहता था। घर में पत्नी व एक बच्ची सरुमा के सिवा कोई न था। परंतु भाग्य पर किसका बस चला है? तीन दिन के बुखार में ही सरुमा की मां के प्राण जाते रहे। लक्ष्मीनंदन ने सरुमा को बहुत समझाया परंतु बच्ची दिन-रात मां के लिए रोती रहती। लक्ष्मीनंदन के चाचा ने उपाय सुझाया, क्यों न तुम दूसरा ब्याह कर लो, बच्ची को माँ भी मिल जाएगी। तुम्हारा घर भी संवर जाएगा। साहुकार ने सोच-विचारकर दूसरे विवाह का फैसला कर लिया। सरुमा की सौतेली माता का स्वभाव अच्छा न था। साहूकार को राजा के काम से कुछ महीने के लिए बाहर जाना पड़ा। उसके घर से निकलते ही मां ने सरुमा के हाथ में मछली पकड़ने की टोकरी थमाकर कहा, चल अच्छी अच्छी खावाई मछलियां पकड़ कर ला। बेचारी छोटी-सी सरुमा को मछलियां पकड़नी नहीं आती थीं। वह नदी किनारे बैठकर रोने लगी। तभी पानी में हलचल हुई और एक सुनहरी मछली ने पानी से सिर निकाला। सरुमा बिटिया कि मैं तुम्हारी मां हूं। तुम रोती क्यों हो? उसकी बात सुनकर मछली ने उसे खाने को भोजन दिया और उसकी टोकरी मछलियों से भर दी। विमाता को पता लगा तो उसने सरुमा का नदी पर जाना बंद करवा दिया। एक दिन चिलचिलाती धूप में उससे बोली, चलो, सारे बाग को पानी दो। भूखी-प्यासी सरुमा पेड़ के नीचे बैठी रो रही थी। उसकी मरी हुई मां एक तोते के रूप में आई। उसने सरुमा को मीठे-मीठे फल खाने को दिए और रोज आने को कहा। विमाता तो सरुमा को भोजन देती नहीं थी। सरुमा रोज पेड़ के नीचे बैठ जाती और तोता उसे मीठे-मीठे फल खिलाता। सौतेली माँ ने यह बात सुनी तो वह पेड़ ही कटवा दिया। सरुमा का बाग में जाना भी बंद हो गया। फिर उसकी मां एक गाय के रूप में आने लगी। सौतेली माँ ने देखा कि सरुमा तो दिन-रात मोटी हो रही है। उसने पता लगाया कि एक गाय रोज सरुमा को अपना दूध पिलाती है। सौतेली माँ ने गाय को मारने की कोशिश की परंतु गाय उसे ही सींग मारकर भाग गई। वह गुस्से से आग-बबूला हो गई। सरुमा पर कड़ी नजर रखी जाने लगी। कुछ दिन बाद उसने देखा कि सरुमा घर के पिछवाड़े खेती में से टमाटर तोड़कर खाती है। उसने वह पौधा बेरहमी से उखाड़ दिया। सरुमा को एक कमरे में बंद कर दिया। भोली-भाली सरुमा को उसने पीने के लिए पानी तक न दिया। सरुमा की मां ने एक चूहे का रूप धारण किया। उस अंधेरे कमरे में वह सरुमा के सामने जा पहुंची। आंखों में आंसू भरकर बोली-सरुमा मत रो, मैं आई हूं तेरे लिए भुने कराई (अनाज का मिश्रण) लाई हूं सरुमा ने जी भरकर कराई खाया ओर मां द्वारा लाया गया पानी पिया। बंद कमरे में भी सरुमा फल-फूल रही है, यह देखकर सौतेली माँ ने उसे जान से मारने का निश्चय कर लिया। सरुमा की माँ ने उसे ऐसे वस्त्र दे दिए, जिसे पहनकर वह सुरक्षित हो गई। उन वस्त्रों पर तलवार के वार का असर नहीं होता था। सौतेली माता का हर वार खाली गया। साहुकार लौटा तो सरुमा के लिए बहुत-सा सामान लाया।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपकी कार्यस्थल पर किसी आकर्षक व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। कार्यस्थल तक रोमांस करने से बचें। किसी गलतफहमी के कारण रिलेशनशिप में परेशानी आ सकती है।

वृषभ

आज वर्क प्लेस पर कोई बात बिगड़ जाएगी। जिससे संभालना आपके लिए मुश्किल होगा। ऐसे में साथी का साथ और अपनापन परेशानी से बाहर निकालेगा। लव लाइफ में उतार-चढ़ाव रहेंगे।

मिथुन

आज का दिन पार्टनर के साथ बिताएंगे। साथी से आज भरपूर प्यार मिलेगा। लव लाइफ का आनंद उठा पाएंगे। आज का दिन आपके लिए अच्छा साबित होगा। आपको पार्टनर से उपहार मिल सकता है।

कर्क

आज सिंगल किसी दिलफेंक आशिक की तरह सोशल मिडिया पर फलर्ट करके अपना दिल बहलाएंगे। अन्य अपनी लव लाइफ में रोमांस करने के नए-नए तरीके अपनाएंगे।

सिंह

आज आप लव लाइफ से जुड़ा फैसला कर पाएंगे। साथी के साथ बहस ना करें। आज के दिन शुरु हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है। दोस्ती प्यार में बदल सकती है।

कन्या

आज कहीं बाहर घुमना-फिरना होगा। जहां आप दोनों मिलकर खूब मौज-मस्ती करने वाले हैं। लव लाइफ को लेकर दोनों बहुत उत्साहित रहेंगे लेकिन परिस्थितियां कुछ ऐसी हो जाएंगी की मनचाहे आनंद नहीं ले पाएंगे।

तुला

जो लोग रिलेशनशिप में हैं उनको प्रेमी से खूब रोमांस करने का मौका मिलेगा। पति-पत्नी के बीच संबंध अच्छे रहेंगे। पार्टनर की ओर से उपहार मिल सकता है। सिंगल लोगों के लिए आज का दिन अच्छा साबित होगा।

वृश्चिक

आज बिगड़े रिश्ते संभालने का मौका मिलेगा। इगो को दरकीनार कर एक-दूसरे को समझाने से अधिक समझने का प्रयास करें। तभी सुखी जीवन का निर्वाह कर पाएंगे। सिंगल से डबल होने की शुरुआत होगी।

धनु

कार्यक्षेत्र में आप किसी से प्रभावित हो सकते हैं। पार्टनर की पुरानी बातों के बारे में सोचकर प्यार में खो जाएंगे। पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ेगा। आज लव लाइफ में प्रेमी को पार्टनर से भरपूर रोमांस मिलेगा।

मकर

आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। साथी के व्यवहार में आए बदलाव को समझ पाना मुश्किल होगा। बेशक वो लव लाइफ को लेकर रोमांटिक रहेंगे लेकिन मूड कब बदल जाए, यह जान पाना मुश्किल होगा।

कुम्भ

आज का दिन लव लाइफ के लिए नार्मल रहेगा। आज आप पार्टनर के साथ रोमांस करेंगे। आज सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है। रिश्तों में मधुरता लाने के प्रयास करें, सफलता मिलेगी।

मीन

आज मूड में बदलाव आते रहेंगे। स्वभाव में मधुरता रखेंगे तो ही लव लाइफ संभल पाएगी नहीं तो आपका व्यवहार न केवल आपके साथी बल्कि अपनों को भी दूर करेगा।

बालीवुड | मन की बात

सलमान और सोनाक्षी की वायरल फोटो पर दबंग गर्ल ने दिया जवाब

सलमान खान के फैंस को इंतजार है तो बस इस बात का कि वो कब शादी करेंगे। कई बार उनकी शादी को लेकर फैंस और मीडिया में सवाल पूछे गए हैं लेकिन हर बार भाईजान इस सवाल को टालते नजर आए। लेकिन हाल ही में सलमान खान और ऐक्ट्रेस सोनाक्षी की एक तस्वीर वायरल हुई, जिसके बाद दोनों के गुपचुप शादी करने की खबर ने सोशल मीडिया पर खूब जोर पकड़ा। इस तस्वीर में उनके चोरीछुपे शादी करने को लेकर दावा किया गया था। हलांकि सलमान और सोनाक्षी की तरह से इस बात को लेकर कोई जवाब नहीं आया। वहीं अब इस तस्वीर पर सोनाक्षी सिन्हा का रिएक्शन आया है। पहली बात आपको बता दें कि वायरल रही सलमान खान और सोनाक्षी सिन्हा की शादी की तस्वीर फोटोशॉप्ड थी। इस तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि ये पूरी तरह से नकली है। इस तस्वीर में दोनों शादी के जोड़े में नजर आ रहे हैं। सलमान जहां सफेद शर्ट और बेज रंग की जैकेट में काफी हैंडसम लग रहे हैं, वहीं सोनाक्षी ट्रेडिशनल लाल साड़ी में जूलरी और मांग में सिंदूर लगाए खूबसूरत लग रही हैं। इस तस्वीर पर कमेंट करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने लिखा क्या आप इतने बेवकूफ हैं कि आप असली और नकली तस्वीर के बीच अंतर नहीं कर सकते। सोनक्षी के इस कमेंट्स के बाद लगातार फैंर के रिएक्शन आ रहे हैं। वहीं इस कमेंट करते हुए यूजर लगातार सोनाक्षी का साथ देते दिख रहे हैं। कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा आप रिप्लाई क्यों कर रही हैं? तो वहीं दूसरे ने लिखा मुझे खुशी है आपने इस पर बोला।

'भाबीजी घर पर हैं' में नई गोरी मेम ने ली धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड | मसाला

टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' सालों से दर्शकों के बीच अपनी अलग जगह बनाए हुए हैं। लेकिन इस बीच शो में कई बदलाव देखने को भी मिले। बीते साल कोरोना के बीच, शो में गोरी मेम का रोल निभाने वाली सौम्या टंडन शो से अलग हो गईं, जिसके बाद नेहा पेंडस ने उन्हें रिप्लेस किया। अब एक बार फिर शो में एक बड़ा बदलाव हुआ है। नेहा पेंडसे ने भी भाबीजी घर पर हैं को अलविदा कह दिया है। जिसके बाद एक्ट्रेस विदिशा श्रीवास्तव ने उनकी जगह ले ली है।

जी हां, अब दर्शकों को शो में नई अनीता भाभी नजर आने वाली हैं, जिनका प्रोमो भी मेकर्स की ओर से जारी कर दिया गया है। प्रोमो में नई अनीता भाभी को धमाकेदार एंट्री लेते देखा जा सकता है। हालांकि जहां कुछ लोग शो से नेहा पेंडसे के जाने को लेकर दुख जाहिर कर रहे हैं तो वहीं कुछ नई अनीता भाभी की एंट्री को एंजॉय कर रहे हैं। कई ने कमेंट करते हुए अपनी खुशी जाहिर की है। बता दें, बीते दिनों ही विदिशा श्रीवास्तव ने इस शो में अपनी एंट्री का खुलासा किया था। उन्होंने बताया कि अब नेहा पेंडसे की जगह वह अनीता भाभी यानि गोरी मेम का किरदार निभाएंगी। शो में इस बड़े बदलाव को दर्शकों से क्या रिस्पॉन्स मिलता है, यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा। इस शो से जो भी कलाकार जुड़ता है, दर्शकों के बीच अपनी पहचान बना लेता है। लेकिन, बीच-बीच में इस शो की स्टार कास्ट में बड़ा बदलाव देखने को मिला। सबसे पहले तो शो में 'अंगूरी भाभी' का किरदार निभाने वाली शिल्पा शिंदे ने मेकर्स के साथ टकराव की वजह से भाबी जी घर पर हैं को अलविदा कह दिया। जिसके बाद शुभांगी आत्रे ने उनकी जगह ली।

आयरा खान करेंगी बॉलीवुड में एंट्री!

बॉलीवुड | गपशप

बॉलीवुड में कई ऐसे स्टार किड्स हैं, जिन्होंने अपने पैरेंट्स के नक्शेकदम पर चलते हुए फिल्मों में अपना करियर बनाया। आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, वरुण धवन जैसे कई एक्टर्स हैं, जिन्हें बॉलीवुड रास आया। उन्होंने अपने दम पर दर्शकों के दिलों पर खास जगह बनाई है। कई सेलेब्स के बच्चे की बॉलीवुड एंट्री को लेकर वक्त-बेवक्त लोग कयास लगाते रहे हैं। आमिर खान की बेटी आयरा (इरा) खान को लेकर भी काफी बातें हुईं। अब उन्होंने बॉलीवुड में काम को लेकर अपनी बात रखी है।

आमिर खान की बेटी आयरा खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। उन्हें फैंस के साथ इंटरेक्शन का भी शौक है। वे अक्सर इंस्टाग्राम पर अपने फोटोज और वीडियो शेयर करती रही हैं। स्टार किड ने हाल में अपने फैंस के साथ इंस्टाग्राम सेशन के दौरान कई सवालों के जवाब दिए। इनमें से एक सवाल यह भी पूछा गया था कि क्या वे फिल्मों में एक्टिंग करेंगी या नहीं? आमिर खान की बेटी आयरा खान इस तरह के सवालों के जवाब देने से बचती रही हैं, लेकिन उन्होंने इस बार अपनी सोच जाहिर की। वे अपने करियर की राह पर आगे बढ़ रही हैं और बॉलीवुड फिल्मों में काम करने की उनकी कोई योजना नहीं है। स्टार किड के इस जवाब से उन नेटिजेंस को हैरानी हुई है जो सोच रहे थे कि वे अपने पापा की तरह बॉलीवुड में करियर बनाएंगी। आयरा की सोशल मीडिया प्रोफाइल देखकर लगता है कि उन्हें घूमने-फिरने का काफी शौक है।

अजब-गजब | सोमालिया में समोसे पर बैन, खाने पर लगता है जुर्माना

एक जगह ऐसी भी, जहां गलती से भी नहीं खा सकते समोसा

समोसा भारत में इतना लोकप्रिय है कि किसी भी मेहमान के आने पर सबसे पहले लोग समोसा ही मंगाते हैं। यह आपको पूरे देश में मिल जाएगा। भारत में शायद ही कोई ऐसा शख्स होगा, जिसे समोसा पसंद नहीं होगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि धरती पर एक ऐसी जगह है, जहां लोग गलती से भी समोसा नहीं खा सकते हैं। यहां समोसा पूरी तरह से बैन है। सोमालिया एक ऐसा देश है, जहां कोई भी गलती से समोसा नहीं खा सकता है। दरअसल, यहां पर समोसा इसकी शेप की वजह से बैन है। बता दें कि समोसा त्रिकोण के शेप का होता है। सोमालिया का एक चरमपंथी समूह मानता है कि समोसे का त्रिकोणीय रूप क्रिश्चियन कम्यूनिटी के करीब है। वह उनके पवित्र चिन्ह से मिलता है। चूंकि वह इस चिन्ह को सम्मान देते हैं। इस कारण सोमालिया में समोसा प्रतिबंधित किया गया है।

बता दें कि सोमालिया के लोग समोसा बनाने, खरीदने तथा खाने पर सजा के हकदार होते हैं। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि सोमालिया में समोसा इसलिए प्रतिबंधित है, क्योंकि यहां भुखमरी से मरे जानवरों का मीट समोसे में इस्तेमाल किया जाता था। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि सोमालिया में समोसे को आक्रामकता का प्रतीक माना जाता है। इसलिए इसे पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। समोसा पूरे दक्षिण एशिया में लोकप्रिय है। यह लजीज स्नैक्स आटा या मैदा के साथ आलू का मसाला डालकर बनाया जाता है। इसे खाने के लिए चटनी के साथ परोसा जाता है। माना जाता है कि समोसे की उत्पत्ति उत्तर भारत में हुई है। इसके बाद यह पूरे भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश से होते हुए पूरे दक्षिण एशिया में लोकप्रिय हो गया। 16वीं शताब्दी के मुगलकालीन दस्तावेज आईने अकबरी में भी समोसे का जिक्र मिलता है।

रूस में कैप्सूल के अंदर कैद हैं दो अमेरिकी वैज्ञानिक, इन्हें युद्ध के बारे में नहीं है जानकारी

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने खतरनाक मोड़ ले लिया है। यूक्रेन के कई शहरों पर रूसी सेना मिसाइल से हमले कर रही है जिसमें भारी नुकसान हुआ है। रूस ने यूक्रेन के जेपोरीजिया न्यूक्लियर पावर प्लांट पर कब्जा जमा लिया है। रूस और यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच अब दुनिया पर तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडरा रहा है। इस खतरे के बीच अमेरिका के दो वैज्ञानिक रूस की राजधानी मास्को में एक कैप्सूल के अंदर कैद हैं। माना जा रहा है कि इन वैज्ञानिकों को युद्ध के बारे में जानकारी नहीं है। यह दोनों वैज्ञानिक अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के 8 महीने लंबे चलने वाले स्पेस एक्सपेरिमेंट का हिस्सा हैं। एक तरफ अमेरिकी नागरिक रूस से जल्द से जल्द निकलने में लगे हैं, तो वहीं वैज्ञानिकों को शायद इस गंभीर मामले के बारे में कोई अंदाजा नहीं है। आइए जानते हैं कि आखिर पूरा मामला क्या है? अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा अंतरिक्ष यात्रियों के रियल एक्सपीरियंस को जानने के लिए एक एक्सपेरिमेंट कर रही है। इस एक्सपेरिमेंट में 6 लोगों को शामिल किया गया है जो कैप्सूल में बंद हैं। इसमें शामिल अमेरिकी वैज्ञानिकों का नाम विलियम ब्राउन और एशले कोवाल्स्की है। इसके अलावा इसमें 3 रूस के नागरिक हैं जबकि एक अमीरात का नागरिक है। नासा के मिशन के तहत इन वैज्ञानिकों को नंवबर में कैप्सूल में भेजा गया था। अब ये सभी वैज्ञानिक जुलाई तक इसी में रहेंगे। वह बाहरी दुनिया से सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक लेटर्स के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा उनके पास और कोई माध्यम नहीं है। एक्सपेरिमेंट में शामिल एक कॉर्डिनेटर इलेक्ट्रॉनिक लेटर्स को एक सुरक्षित सर्वर पर अपलोड करता है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस एक्सपेरिमेंट में शामिल विलियम ब्राउन की जंग से पहले एक दोस्त से बात हुई थी, लेकिन यह जानकारी नहीं है कि उनको इस जंग के बारे में पता है या नहीं। उनको इस युद्ध के बारे में कोई जानकारी दी गई है या नहीं। इस बारे में नासा ने भी कुछ नहीं बताया है। नासा की तरफ से यह भी नहीं बताया गया है कि यह एक्सपेरिमेंट जारी रखेगा या बंद करने की योजना बना रहा है।

हादसों में तीन मजदूरों समेत छह की मौत, एक घायल

जौनपुर में ट्रैक्टर सहित ढलाई मशीन पलटने से हुई दुर्घटना

» कानपुर में मंदिर के गेट से टकराई ट्रैक्टर ट्रॉली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में तीन मजदूरों समेत छह लोगों की मौत हो गयी जबकि एक घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है।

पहला हादसा जौनपुर में खेतासराय-दीदारगंज मार्ग पर जमदहां गांव के पास रविवार को हुआ। यहां अब्बोपुर गांव के राजू बिंद के यहां से मशीन ढलाई कर वापस आ रही थी, जिस पर लेबर भी पीछे बैठ हुए थे। खेतासराय-दीदारगंज मार्ग पर शाम सात बजे जमदहां गांव के पास साइकिल सवार मानीखुर्द निवासी टुनटुन उर्फ प्रदीप प्रजापति उसकी चपेट में आ गया। ढलाई मशीन सहित ट्रैक्टर साइकिल सवार को रौंदते हुए असंतुलित होकर सड़क के किनारे गड्ढे में पलट गया, जिससे साइकिल सवार टुनटुन प्रजापति सहित ढलाई मशीन पर पीछे बैठे अब्बोपुर निवासी चिंतेलाल व हरिश्चंद्र गौतम, खलौतीपुर निवासी शंकर बिंद की मौके पर ही मौत हो गई जबकि राम शकल बिंद (50) निवासी अब्बोपुर घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया जबकि घायल शकल बिंद को पीएचसी सोंधी में भर्ती कराया। दूसरा हादसा कानपुर के घाटम में हुआ। यहां भीतरगांव इलाके के उमरी गांव में मुख्य मार्ग किनारे मंदिर का द्वार गेट बना हुआ है। खेत से लाही का भूसा लादकर वापस लौट रही एक ट्रैक्टर ट्राली इसी गेट से जा टकराई, जिससे भारी भरकम सीमेंटेट गेट टूटकर ट्रैक्टर के ऊपर जा गिरा, जिससे परास गांव निवासी ट्रैक्टर चालक रामबाबू कुरील (38) और हेल्पर छोटका (35) आधे घंटे के ऊपर तक मलबे में दबे रहे। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने आनन-फानन में दबे मजदूरों का निकालने का प्रयास किया लेकिन तब तक ट्रैक्टर चालक रामबाबू कुरील और हेल्पर महेश उर्फ छोटका की सांसे थम गयी। साढ़ थानाध्यक्ष राज कुमार सिंह ने बताया कि दोनों शवों को मोर्चरी कानपुर में पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। परिवार के लोग मौके पर आ चुके हैं। घटना की जांच की जा रही है।

पोखरे में दो बच्चों की डूबने से मौत परिवार में कोहराम

» नहाते समय गहरे पानी में चले गए थे दोनों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। देवरिया जिले के बघौचघाट थाना क्षेत्र के घुड़ीकुंड खुर्द स्थित पोखरे में रविवार को स्नान करने गए दो बच्चों की डूबने से मृत्यु हो गई। घंटों प्रयास के बाद पोखरे से दोनों बच्चों का शव बाहर निकाला जा सका। बच्चों की मौत के बाद गांव में मातम छा गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की और पंचनामा तैयार कर शव को स्वजन को सौंप दिया गया।

गांव के शुभलाल का सात वर्षीय बेटा नैतिक, रमेश पासवान का आठ वर्षीय बेटा बल्लर व गांव के आठ वर्षीय विक्रांत पोखरे में स्नान करने के लिए गए थे। इस बीच नैतिक व बल्लर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। पहले तो विक्रांत उन्हें बचाने का प्रयास किया, सफल न होने पर वह शोर करते हुए गांव में जाकर इसकी जानकारी दी। गांव के लोग आए और दोनों की तलाश में जुट गए लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। बाद में जाल मंगाकर पोखरे से दोनों बच्चों को बाहर निकाला गया। इसके बाद पीएचसी पर पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत्यु घोषित कर दिया। बघौचघाट थानाध्यक्ष उपेंद्र मिश्र ने कहा कि स्वजन व ग्रामीणों की सहमति के बाद शवों का पंचनामा तैयार कराकर स्वजन को सौंप दिया गया है।

लोगों के जीवन में आया बदलाव, फिर बनेगी भाजपा गठबंधन की सरकार: अनुप्रिया

» अंतिम चरण के मतदान में हिस्सा लेने के बाद अपना दल एस की अध्यक्ष ने किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए अंतिम चरण के मतदान में हिस्सा लेने मिर्जापुर पहुंची अपना दल एस की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने एक बार फिर से यूपी में भारी बहुमत के साथ एनडीए गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया है। अनुप्रिया पटेल ने स्वामी प्रसाद मौर्या से लेकर जयंत चौधरी के सपा के साथ होने पर उनके प्रभाव को नकारते हुए कहा कि इससे भाजपा और उसके सहयोगी दलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है, बल्कि जो लोग एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनने से चूक गए उनको 10 मार्च को भाजपा और सहयोगी दलों की सरकार बनने के बाद पछताना पड़ेगा।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्या के सपा के साथ चले जाने पर कहा कि इससे भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यूपी में जातीय समीकरणों को साधा जाता है क्योंकि जाति आधारित हमारी सामाजिक संरचना है। जाति समीकरणें को हर नेता व दल साधता है। किसी नेता के चुनाव के ठीक पहले आना या जाना से खास प्रभाव नहीं पड़ता है। राजनीति में चुनाव के पहले आया राम गया राम लगा रहता है अगर पिछले इतिहास को उठाकर देख लें तो किसी नेता के दूसरी पार्टी में चले जाने को मतदाता इश्यू बेस नहीं समझते। लोगों के जीवन में बदलाव आया इसलिए एक बार फिर यहां भाजपा गठबंधन की सरकार बनेगी।

चुनाव ड्यूटी में जान गंवाने वाले कर्मियों के परिजनों को मिलेगा मुआवजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले मतदान कर्मियों की मौत पर विशेष मुआवजा दिया जाएगा। आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि कर्मी की हादसे या सामान्य मौत पर संबंधित के परिजन को 15 लाख रुपये और असाधारण पेंशन दिया जाएगा।

यदि किसी की मौत कोरोना के कारण, हिंसा, रोड माइन ब्लास्ट या किसी हथियार से हुए हमले में होती है तो परिजन को 30 लाख दिए जाएंगे। इस बार के चुनाव ड्यूटी के दौरान अब तक आधा दर्जन से अधिक मतदान कर्मियों की मौत हो चुकी है। बस्ती में सड़क हादसे में केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल के तीन जवानों की जान गई। इसी तरह सोनभद्र में चुनाव ड्यूटी पर पुलिस जवानों को लेकर जा रही बस खाई में गिर गई। इसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। औरैय्या में भी एक सिपाही की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। एक अन्य मतदान कर्मी की मौत बरेली में सड़क हादसे में हुई।

चौंकाने वाले होंगे नतीजे, कांग्रेस बनेगी किंगमेकर: भूपेश बघेल

» छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने किया बड़ा दावा

» यूपी में त्रिशंकु विधान सभा की जतायी संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

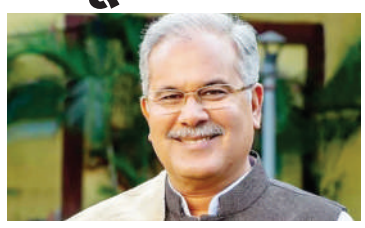

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के विशेष पर्यवेक्षक-प्रभारी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दावा किया कि राज्य में त्रिशंकु विधान सभा आने की संभावना है। बघेल ने कहा कि मुझे लगता है कि वोटर योगी आदित्यनाथ को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे। त्रिशंकु विधान सभा की संभावना है और कांग्रेस किंगमेकर बनकर उभर सकती है।

उन्होंने कहा कि आने वाले नतीजे सभी के लिए चौंकाने वाले होंगे। इस बार पहली बड़ी बात ये है कि कांग्रेस 1996 के बाद पहली बार 400 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इन चुनावों में कांग्रेस की सबसे बड़ी जीत यही है कि हमने दूसरी पार्टियों को जाति और धर्म के एजेंडे पर लड़ने के लिए छोड़ दिया। कांग्रेस ने विकास और कल्याण, आवारा मवेशियों, महिला सुरक्षा की बात की। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जमीन पर कड़ी मेहनत की है। मैंने यह भी देखा है कि कांग्रेस की रैलियों में बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं आ रही हैं। इससे पता चलता है कि हमने जो मुद्दे उठाए हैं, वे लोगों के असली मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद मोदी ने चुनावी रैलियों के दौरान जिन योजनाओं की बात की है, वे यूपीए सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं हैं। सत्ता में आने के बाद उन्होंने क्या पेश किया है? क्या वे नोटबंदी और सरकारी कंपनियों के निजीकरण के लिए वोट मांग रहे हैं?

लखनऊ में आंख में मिर्च का स्प्रे कर लूटपाट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चिनहट तिराहे पर रास्ता पूछने का झांसा देकर टप्पेबाज ने कार सवार पिता-पुत्र पर मिर्च स्प्रे कर दिया। इसके बाद कार में रखी अटैची लेकर भाग गया। अटैची में एक लाख रुपये और जेवर व अन्य सामान था।

गोमतीनगर विस्तार में रहने वाले शैलेंद्र मिश्रा, पिता और चालक के साथ कार से अयोध्या से लौट रहे थे। शैलेंद्र के मुताबिक चिनहट तिराहे पर एक युवक ने रोका और बाराबंकी जाने का रास्ता पूछा। शीशा खोलने के दौरान युवक ने कुछ स्प्रे किया। जिससे एकाएक सबकी आंखों में जलन होने लगी। स्थिति सामान्य होने पर गाड़ी में देखा तो पीछे रखी अटैची गायब थी। अटैची में कुछ जेवर, एक लाख रुपये, बैंक की पासबुक और कुछ अन्य दस्तावेज रखे थे।

चुनावी दंगल में उतरीं महिलाओं ने तोड़े सभी रिकार्ड

विधान सभा चुनाव में 13 प्रतिशत आजमा रहीं भाग्य, 48 प्रतिशत महिलाओं को लुभाने में जुटे रहे दल

गीताश्री

लखनऊ। यूपी विधान सभा के चुनावी दंगल में उतरी महिला प्रत्याशियों ने पिछले सभी रिकार्ड तोड़ दिए हैं। इस बार रिकार्ड 13 फीसदी महिलाएं चुनाव लड़ रही हैं। अब 10 मार्च को मतगणना के बाद पता चलेगा कि इनमें से कितनी महिलाओं को मतदाताओं ने अपना विधायक चुना हैं।

24 करोड़ की आबादी वाले यूपी में 48 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। हालांकि सियासी दलों ने 33 प्रतिशत महिलाओं को टिकट देने में दरियादिली नहीं दिखायी है। लिहाजा 403 सीटों वाली विधान सभा में कभी भी महिला सदस्यों की संख्या 11 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकी है। 17वीं विधान सभा के पांच वर्ष पहले हुए चुनाव में अधिकतम 42 महिला विधायक चुनी गई थीं। वहीं 18वीं विधान सभा के लिए एक बार फिर आम चुनाव हो रहे हैं। इस बार दलों ने वोट बटोरने के लिए न केवल उनके लिए लुभावनी घोषणाएं की हैं बल्कि पिछले चुनाव से कहीं ज्यादा महिलाओं को टिकट दिया है। कांग्रेस ने रिकार्ड 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट दिया है। भाजपा गठबंधन ने भी महिलाओं को टिकट दिया है वहीं सपा-बसपा ने भी पिछली बार से कहीं ज्यादा महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा है। गौरतलब है कि पिछले तीन चुनाव में जिस दल की सर्वाधिक महिला विधायक जीतीं उसी की सरकार बनी है। मसलन 17वीं विधान सभा के चुनाव में भाजपा की सर्वाधिक 36 महिला विधायक जीतीं और उसने ही सरकार बनाई। इससे पहले वर्ष 2012 में सरकार बनाने वाली सपा की सबसे ज्यादा 20 महिला विधायक जीती थीं जबकि भाजपा की सात, बसपा और कांग्रेस की तीन-तीन और एक-एक अपना दल और निर्दलीय महिला विधायक चुनी गई थी। 15वीं विधान सभा के लिए वर्ष 2007 में हुए चुनाव में कुल जीती 23 महिला विधायकों में बसपा की 10, सपा-भाजपा की पांच-पांच, एक कांग्रेस और दो रालोद की थीं। तब बसपा ने सरकार बनाई थी।

आधी आबादी से किए गए तमाम वादे

कांग्रेस ने इंटरमीडिएट उत्तीर्ण छात्राओं को स्मार्टफोन व स्नातक उत्तीर्ण को स्कूटी, नए सरकारी पदों पर आरक्षण प्रावधानों के अनुसार 40 प्रतिशत महिलाओं की नियुक्ति देने, महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा, रसोई गैस के तीन मुफ्त सिलिंडर, 1000 रुपये प्रतिमाह विधवा-वृद्धावस्था पेंशन, आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को 10,000 प्रतिमाह मानदेय देने जैसे वादे हैं। जहां तक भाजपा की बात है तो पार्टी की मौजूदा सरकार द्वारा एक करोड़ युवाओं में छात्राओं को भी स्मार्टफोन-टैबलेट दिए जा रहे हैं। सपा ने सरकार बनने पर सभी छात्राओं को भी मुफ्त में लैपटाप देने की बात कही है। पहली बार मैदान में उतरी आम आदमी पार्टी 18 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपये भत्ता देने के साथ ही बेरोजगार बालिकाओं को भी हर महीने पांच हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता और नौकरियां देने की बात कर रही है।

छलावा है बीजेपी में परिवारवाद का पैमाना : मयंक जोशी

भाजपा पर साधा निशाना, बोले सपा सबसे प्रोग्रेसिव पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सातवें चरण के मतदान से 24 घंटे पहले बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया, जिसके बाद से प्रदेश की राजनीति में हलचल मच गई। वहीं सातवें चरण के मतदान के बीच मयंक ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी में परिवारवाद का पैमाना एक छलावा है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी में परिवारवाद की अलग ही परिभाषा है। इस पार्टी में राजनाथ सिंह के बेटे को टिकट मिल सकता है। फागू चौहान के बेटे को टिकट मिल सकता है लेकिन रीता बहुगुणा जोशी के बेटे को नहीं मिल सकता। उन्होंने कहा सपा सबसे प्रोग्रेसिव पार्टी है। बता दें कि 22 फरवरी को मयंक जोशी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। तब सोशल मीडिया पर अखिलेश ने इसे सिर्फ एक औपचारिक मुलाकात का नाम दिया था, लेकिन तभी से मयंक के सपा में शामिल होने के कयास लगाए जा रहे थे। मयंक के सपा में शामिल होने पर बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता हरीश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि रीता बहुगुणा जोशी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आईं और उनको पूरा सम्मान मिला। विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़वाया। अगर मयंक जोशी सुशासन को छोड़कर कुशासन में जाना चाहते हैं, तो ये उनका अपना फैसला है। मयंक ने ये भी दावा किया कि उनकी मां 73 साल की हो चुकी हैं और उन्होंने लगभग राजनीति से संन्यास ले लिया है।

उन्होंने आगे कहा कि उनकी मां ने कई बार कहा भी है कि वे अगला चुनाव नहीं लड़ेंगी। राजनीति से संन्यास लेने के बाद वो किताबें और संस्मरण लिखेंगी। मयंक ने आगे कहा कि ऐसा होता है कि एक ही परिवार के लोग एक पार्टी में हों और उसी परिवार के कुछ लोग दूसरी पार्टी में। इससे पहले कई बार रीता बहुगुणा जोशी बेटे मयंक को पार्टी से टिकट दिलाने की कोशिश कर चुकी हैं, उन्होंने यहां तक कहा कि अगर उनके बेटे मयंक को लखनऊ की कैंट सीट से टिकट मिल जाता है, तो वो सांसद पद छोड़ देंगी।

सपा में है युवाओं का भविष्य

मयंक जोशी ने बीजेपी हमला करते हुए कहा मैंने 13 साल भाजपा में लगाएं हैं लेकिन पार्टी ने कुछ नहीं दिया। अच्छा हुआ पार्टी ने मुझे टिकट नहीं दिया। अब मैं संतुष्ट हूं और मुझे लगता है कि समाजवादी पार्टी में युवाओं का भविष्य है और वह पार्टी सबसे प्रोग्रेसिव पार्टी है इसलिए मैं समाजवादी पार्टी में आकर खुश हूं।

भाजपा में हूं और भाजपा में ही रहूंगी : रीता

बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी के मीडिया प्रभारी अभिषेक शुक्ला ने बताया कि सांसद त्रिपुरा में आयोजित संसदीय भाषा उप-समिति बैठक में भाग लेने गई हैं। उन्होंने कहा बेटे मयंक ने सपा क्यों ज्वाइन की उस बारे में मैं भी कोई टिप्पणी नहीं करूंगी। मेरा स्टैंड पहले से ही क्लियर है। मैं भाजपा में हूं और भाजपा में ही रहूंगी।

मतगणना स्थल पर 2-2 वकील तैनात करेगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों की 10 मार्च को होने वाली मतगणना को लेकर समाजवादी पार्टी चौकस हो गई है। पार्टी ने मतगणना स्थल पर कानूनी सलाह के लिए 2-2 वकीलों को तैनात करने का फैसला लिया है। सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने सभी जिला और महानगर अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं।

» प्रत्याशियों की मदद के लिए देंगे कानूनी सलाह

पार्टी के मुताबिक मतगणना के दौरान किसी कानूनी परामर्श के लिए वकील उपलब्ध रहेंगे। सपा के सभी जिला और महानगर अध्यक्षों को 9 मार्च तक अधिवक्ताओं के नाम देने के लिए कहा है। सूबे के पार्टी अध्यक्ष ने पत्र में लिखा है कि विधानसभा चुनाव की मतगणना हर विधानसभा में 10 मार्च को होनी है। मतगणना के समय हर काउंटिंग बूथ पर दो दो अधिववक्ता कानूनी सलाह के लिए रहने चाहिए ताकि जरूरत पड़ने पर आप उनका उपयोग कर सकें। इसलिए दोनों अधिवक्ताओं के नाम और मोबाइल नंबर पार्टी प्रदेश कार्यालय में 9 मार्च तक जरूर उपलब्ध कराने का कष्ट करें। बता दें कि यूपी में के सभी 75 जिलों की सभी 403 विधानसभाओं में वोटो की गिनती 10 मार्च को होने जा रही है। राज्य में 7 चरणों में मतदान होना तय हुआ था, जिसमें आज आखिरी चरण के लिए वोट डाले जा रहे हैं।

प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कल महिला मार्च निकालेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस आठ मार्च यानी कल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजधानी में महिला मार्च का आयोजन करेगी। इस मार्च का नेतृत्व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा करेंगी। इस मौके पर कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि लड़की हूं-लड़ सकती हूं उनकी पार्टी के लिए सिर्फ चुनावी नारा नहीं, बल्कि देश में नारी को सशक्त बनाने के लिए शुरू किया गया आंदोलन है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान में पूरे देश से कांग्रेस पार्टी की निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि शामिल होंगी। 8 मार्च को दिन में 12 बजे से शुरू होने वाला यह मार्च बेगम हजरत महल चौराहे से ऊदा देवी चौराहा होते हुए जीपीओ स्थित गांधी प्रतिमा के पास खत्म होगा। इस मार्च में महिला डॉक्टर, शिक्षिका, खेल और सिने जगत से जुड़ी महिलाएं भी शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि लड़की हूं लड़ सकती हूं कांग्रेस के लिए सिर्फ चुनावी नारा नहीं बल्कि देश में नारी को सशक्त और सक्षम बनाने के लिए शुरू किया गया आंदोलन है। इसका उद्देश्य भारतीय राजनीति में महिलाओं और उनकी आकांक्षाओं को मुख्यधारा में लाना है। यह उत्तर प्रदेश में शुरू हुआ, जिसमें कांग्रेस ने महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देने का वादा पूरी प्रतिबद्धता से निभाया।

पूरे चुनाव में दिखी महंगाई : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि यूपी में उपेक्षित लोग प्रदेश की तस्वीर बदल सकते हैं। उन्होंने ट्वीट किया कि यूपी के नौ जिलों की 54 सीटों पर अंतिम चरण में आज हो रहे मतदान में गरीबी और बेरोजगारी के सताए हुए उपेक्षित लोग अपने वोट की ताकत से अपनी और प्रदेश की तकदीर बदल सकते हैं। इसके लिए बीएसपी की सरकार बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह जग जाहिर है कि विरोधी पार्टियों के लुभावने वादे वादा खिलाफी साबित हुए हैं। इनकी सरकारों में यूपी के लोगों की हालत बिगड़ती चली गई। इसलिए अब इनके बहकावे में नहीं आना ही होशियारी है। विरोधी पार्टियों ने धनबल सहित सभी हथकंडों को अपनाकर यूपी के चुनाव को अपने पक्ष में करने का खूब जतन किया, लेकिन महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी जैसे बुनियादी मुद्दों पर जनता डटी है।

चंदौली में मतदान केंद्र पर मधुमक्खियों का हमला, 12 जख्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज यूपी के रण का अंतिम चरण है। इस चरण में 9 जिलों की 54 सीटों पर वोटिंग जारी है। चंदौली की चकिया विधानसभा, सोनभद्र की राबर्ट्सगंज और दुद्धी विधानसभा नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण यहां सुबह शाम चार बजे तक ही वोट डाले जाएंगे। दोपहर एक बजे तक 54 सीटों पर 35.51 फीसदी मतदान हुआ है। वोटिंग जारी है।

चंदौली के नेशनल इंटर कॉलेज में मतदान के दौरान दोपहर में मधुमक्खियों ने हमला बोल दिया। इससे वहां भगदड़ मच गई। मधुमक्खियों के हमले से 12 लोग जख्मी हो गए। वहीं हमले से बचने के लिए मतदाताओं के साथ पीठासीन, मतदान अधिकारी और बीएलओ भाग निकले। इससे चार बूथों पर एक घंटे तक मतदान प्रभावित रहा। दुलहीपुर के बूथ संख्या 137 के ईवीएम में किसी ने ईवीएम में फेवीक्विक डाल दिया। इससे यहां मतदान रोक दिया गया।

ओपी राजभर ने की 137 सभाएं तकिया कलाम रहा ललका सांड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2017 विधानसभा चुनाव से चर्चाओं में आए सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर इस चुनाव में भी गठबंधन से लेकर चुनाव प्रचार तक लगातार सुर्खियों में रहें। बेबाक बोल से मतदाताओं के बीच तालियां बटोरने की महारथ इन्होंने मंचों से दिखाई। पूरे 137 जुनावी सभाएं व रैलियां की। इस बार किसानों के फसलों की बर्बादी का कारण बने छुट्टा पशुओं के बारे में इन्होंने सीएम योगी का ललका सांढ़ तकिया कलाम की तरह हर जगह बोला।

इस चुनाव में सपा से गठबंधन से पूर्व इन्होंने भागीदारी संकल्प मोर्चा बनाकर अपनी ताकत का अहसास बड़े दलों को कराया, जिसके कारण सपा के करीब गए और 18 सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिला। हालांकि भाजपा ने भी इन्हें फिर से अपने साथ जोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। चुनाव की अधिसूचना जारी होने के पूर्व से ही इन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ संयुक्त रैलियां शुरू कर दी थी। राजभर ने अपनी चुनावी सभा में भाजपा को पिछड़ों दलितों का विरोधी करार देने की कोशिश की। घरेलू बिजली 300 यूनिट मुफ्त, जातिवार जनगणना, नि:शुल्क अनिवार्य शिक्षा, सामाजिक न्याय समिति रिपोर्ट लागू करना, नि:शुल्क इलाज, 11 लाख सरकारी नौकरी देने, आईटी सेक्टर में 22 लाख रोजगार देने, अपराध पर लगाम लगाने का वादा करते रहे। राष्ट्रीय महासचिव अरुण के मुताबिक ओम प्रकाश ने पहले चरण में 10, दूसरे में 08, तीसरे में 9, चौथे में 11, पांचवें में 25, छठे में 35 तथा सातवें में 39 सभाएं की।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।